कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (15) खण्ड -{29}

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें...........

प्रश्न 1- सतयुग में ऊँच पद किस आधार पर मिलता है ?

A- सतोप्रधान बनने के आधार पर

B- बाप की याद में रहने के आधार पर

C- विकर्म विनाश होने के आधार पर

D- पवित्रता के आधार पर

प्रश्न 2- एक भी विकार होगा तो क्या होगा ?

A- सतयुग में नहीं जा सकेंगें

B- बाप से वर्सा नहीं मिलेगा

C- लक्ष्मी को वर नहीं सकते

D- निर्विकारी नहीं कहलाएंगे

प्रश्न 3- सुखधाम में किसका वर्सा है ?

A- राम का

B- निराकार का

C- बेहृद के बाप का

D- लक्ष्मी-नारायण का

प्रश्न 4- इस पढ़ाई में नम्बरवन सब्जेक्ट कौनसी है ?

A- श्रीमत

B- पवित्रता

C- धारणा

D- योग

प्रश्न 5- हमें किस बात का पुरुषार्थ करना है?

A- बाप समान बनने का

B- सपूत बच्चा बनने का

C- माया को हराने का

D- बाप से पूरा वर्सा लेने का

प्रश्न 6- बाप डरने के लिए क्यों मना करते है?

A- क्योंकि हम भगवान के बच्चे है।

B- डरने से बाप का प्यार नहीं मिलेगा

C- डरने से ऊँच पद नहीं मिलेगा

D- स्वयं भगवान हमारा साथी है।

प्रश्न 7- सतयुग में कौन देर से आते है ?

A- त्रेता वाले

B- पवित्रता की कम धारणा वाले

C- 9 लाख के बाद वाली जनसंख्या

D- गृहस्थ वाले

प्रश्न 8- यहाँ का कौन सा कायदा है ?

A- पवित्र रहना

B- याद की यात्रा

C- दे दान तो छूटे ग्रहण

D- नर से नारायण बनना

प्रश्न 9- अत्याचार किस पर होते है ?

A- द्रोपदी पर

B- माताओं पर

C- सीता पर

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 10- यह विमान आदि कौन बना सकते है ?

A- भारतवासी

B- डबल विदेशी

C- अक्लमंद

D- साइंस वाले

प्रश्न 11- बाबा भी नया और क्या नया है ?

A- ज्ञान भी नया

B- भाग्य भी नया

C- बातें भी नई

D- वर्सा भी नया

प्रश्न 12- बाप पर निश्चय है तो क्या करना पड़े ?

A- देही- अभिमानी बने

B- महावीर बने

C- पवित्र बने

D- श्रीमत पर चले

प्रश्न 13- गृहस्थ व्यवहार में रहते मुझे याद करने से क्या होगा ?

A- पाप बढेंगे नहीं

B- पास्ट के विकर्म विनाश होंगें

C- नम्बरवन में आ जायेंगे

D- A और C

E- A और B

प्रश्न 14- वर्से का हक़दार कौन बनता है ?

A- अज्ञाकारी बच्चे

B- फरमानबरदार बच्चे

C- श्रीमत प्रमाण बच्चे

D- A और B

E- A,B और C

प्रश्न 15- दुनिया के लोग क्या नहीं जानते ?

A- कि भगवान आया हुआ है

B- हम 84 जन्म लेते है।

C- नई दुनिया की स्थापना हो रही है।

D- परमात्मा ज्योतिर्बिन्दू है।

प्रश्न 16- माया के तूफानों से लड़ने के बजाय क्या बनो ?

A- बाप समान

B- सर्वगुणसम्पन्न

C- अचल- अडोल

D- वारिस

भाग (15) खण्ड {29} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1. D- पवित्रता के आधार पर

*सतयुग में पवित्रता के आधार पर ऊंच पद मिलता है। * जो पवित्रता की कम धारणा करते हैं वह सतयुग में देरी से आते हैं और पद भी कम पाते हैं। यहाँ जब कोई आता है तो उन्हें कायदा सुनाओ - दे दान तो छूटे ग्रहण। 5 विकारों का दान दो तो तुम 16 कला सम्पूर्ण बन जायेंगे।

उत्तर 2. C- लक्ष्मी को वर नहीं सकते

5 विकारों का दान दो। अपनी दिल से पूछो हम सर्वगुण सम्पन्न, सम्पूर्ण निर्विकारी बने हैं? नारद का मिसाल है ना। *एक भी विकार होगा तो लक्ष्मी को वर कैसे सकेंगे।* कोशिश करते रहो, खाद को आग लगाते रहो। सोना जब

गलाते हैं, गलते-गलते यदि आग ठण्डी हो जाती है तो खाद निकलती नहीं है, इसलिए पूरी आग में गलाते हैं।

उत्तर 3. C- बेहद के बाप का

तुम पहले-पहले सतोप्रधान थे फिर सतो, रजो, तमो में आये। तमोप्रधान बने हो। इस समय 5 तत्व भी तमोप्रधान हैं इसलिए दु:ख देते हैं। हर चीज़ दु:ख देती है। यही तत्व जब सतोप्रधान होते हैं - तब सुख देते हैं। उसका नाम ही है - सुख-धाम। यह है दु:खधाम। *सुखधाम है बेहद के बाप का वर्सा।* दु:खधाम है रावण का वर्सा, अब जितना श्रीमत पर चलेंगे, उतना ऊंच बनेंगे।

उत्तर 4. B- पवित्रता

जहाँ तक मेरा पार्ट है, तुमको पढ़ाता रहूँगा। यह भी ड्रामा में नूँध है। जब कर्मातीत अवस्था को पायेंगे तब पढ़ाई पूरी होगी। बच्चे भी समझ जायेंगे। पिछाड़ी में इम्तहान की रिजल्ट मालूम होती है ना। *इस पढ़ाई में नम्बरवन सब्जेक्ट

है - पवित्रता की।* जब तक बाबा की याद नहीं रहती है, बाप की सर्विस नहीं करते हैं, तब तक आराम नहीं आना चाहिए।

उत्तर सं 5- D - *बाप से पूरा वर्सा लेने*

मौत सामने खड़ा है इसलिए अब याद की रफ्तार को बढ़ाना है। *सतयुगी दुनिया में ऊंच पद पाने का पूरा पुरुषार्थ करना है।*........पुरुषार्थ पर मदार है ना। तुम भी पुरुषार्थ करेंगे तो ऊंच पद पायेंगे।........बच्चे समझते हैं कल्प पहले भी बेहद के बाप से वर्सा लिया था अब फिर पढ़कर पा रहे हैं। समय बहुत थोड़ा है। यह तो विनाश हो जायेंगे इसलिए *बेहद के बाप से पूरा वर्सा लेना चाहिए।* वह बाप, टीचर, गुरू भी है।

उत्तर सं 6- C - *डरने से ऊँच पद नहीं मिलेगा*

बाप को ही सब कहते हैं हे पतित-पावन, लिबरेटर आओ। तो उनको ही तरस पड़ता है। रहमदिल है ना। तो बाप समझाते हैं कि बच्चे कोई भी बात में डरो मत। *डरने से इतना ऊंच पद पा नहीं सकेंगे।*

उत्तर सं 7- B - *पवित्रता की कम धारणा वाले*

सतयुग में पवित्रता के आधार पर ऊंच पद मिलता है। *जो पवित्रता की कम धारणा करते हैं वह सतयुग में देरी से आते हैं* और पद भी कम पाते हैं।

उत्तर सं 8- C - *दे दान तो छूटे ग्रहण*

यहाँ *जब कोई आता है तो उन्हें कायदा सुनाओ - दे दान तो छूटे ग्रहण।* 5 विकारों का दान दो तो तुम 16 कला सम्पूर्ण बन जायेंगे। तुम बच्चे भी अपनी दिल से पूछो कि हमारे में कोई विकार तो नहीं हैं?

उत्तर सं 9- B - *माताओं पर*

पवित्रता पर बड़ा हंगामा हुआ। भाई, काके, चाचे आदि कितने थे। इसमें बहादुरी चाहिए ना। तुम हो ही महावीर महावीरनी। सिवाए एक के और कोई की परवाह नहीं। ... *अत्याचार, माताओं पर ही होते हैं।*

उत्तर सं 10- A - *भारतवासी*

राम-राज्य सतयुग में होगा - वहाँ यह विमान आदि सब थे फिर यह सब गुम हो गये। फिर इस समय यह सब निकले हैं। अभी यह सब सीख रहे हैं। जो सीखने वाले हैं वह संस्कार ले जायेंगे। फिर आकर वहाँ विमान बनायेंगे। यह तुमको भविष्य में सुख देने वाले हैं। *यह विमान आदि भारतवासी भी बना सकते हैं।* कोई नई बात नहीं। अक्लमंद तो हैं ना।

उत्तर सं 11- C - *बातें भी नई*

तुम्हारी बुद्धि का ताला अब खुला है। अब यह है नई बात। *बाबा भी नया, बातें भी नई।* यह बातें किसकी समझ में जल्दी नहीं आयेंगी। जब तकदीर में हो तब कुछ समझें।

उत्तर सं 12- D - *श्रीमत पर चले*

यहाँ विकार बिगर जन्म हो न सके। मूत पलीती हैं ना। *अब बाप में निश्चय है तो श्रीमत पर पूरी रीति चलना पड़े ना।* हर एक की नब्ज भी देखी जाती है। उस अनुसार राय भी दी जाती है।

उत्तर सं 13- E - *A और B*

सभी को यही कहा कि *गृहस्थ व्यवहार में रहते मुझे याद करने से तुम्हारे पाप बढ़ेंगे नहीं और पास्ट के विकर्म विनाश होंगे।* अभी भी बाप समझाते हैं, तुम ही भारतवासी सतयुग में जो सतोप्रधान थे, वह इस समय 84 जन्म लेते-लेते अब तुम्हारी आत्मा तमोप्रधान बन गई है।......सतोप्रधान तब बनेंगे जब मुझ पतित-पावन बाप को याद करेंगे। इस योग अग्नि से ही पाप भस्म होंगे और आत्मा सतोप्रधान बन जायेगी।

उत्तर सं 14- D - *A और B*

बाप कहते हैं तुम भी अपनी रचना को हाथ में रखो। अगर बच्चा तुम्हारी आज्ञा नहीं मानता है तो बच्चा, बच्चा

नहीं। वह तो कपूत ठहरा। *आज्ञाकारी, फरमानबरदार बच्चा हो तो वर्से का हकदार बन सकता।*

उत्तर सं 15- A - *कि भगवान आया हुआ है।*

अब बाप आकर फिर से एक धर्म स्थापन कर रहे हैं। तुम बच्चे राजयोग सीख रहे हो। जरूर भगवान ही राजयोग सिखायेंगे। यह किसको पता नहीं है। ......बाप ही नई दुनिया की राजधानी स्थापन कर रहे हैं। तो बच्चों को महावीर बनना है। *दुनिया में यह कोई थोड़े ही जानते कि भगवान आया हुआ है।*

उत्तर सं 16- C - *अचल-अडोल*

रावण के राज्य में रहते हुए हम राम के बने है तो माया महावीरो से महावीर बनकर लड़ेगी। विजयी बनने के लिए सर्व शक्ति

मान का साथ और हाथ बहुत जरुरी है। बालक सो मालिक की स्मृति से बाप को आगे करदो और आप रूहानी मोजो में

रहो।.... *महावीर बनो, माया के तूफानों से लड़ने के बजाए अचल-अडोल बनो'*

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (15) खण्ड -{30}

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें...........

प्रश्न 1- पूरी- पूरी हिम्मत किसमें करनी है?

A- श्रीमत पर चलने में

B- पवित्र बनने में

C- फोलो फादर करने में

D- रचना को हाथ मे रखने में

प्रश्न 2- बाप का वर्सा किस आधार पर है ?

A- ज्ञान

B- योग

C- धारणा

D- सेवा

प्रश्न 3- सुख और आनन्द का आधार क्या है ?

A- परमात्म प्यार

B- आत्मिक लव

C- कर्मबन्धन का हिसाब

D- घर बैठे भी योग लगाना

प्रश्न 4- विकारों में जाने से क्या होता है ?

A- पवित्रता खत्म

B- बाप से सर्व सम्बन्ध समाप्त

C- विजयमाला में नहीं

D- पद भ्रष्ट

प्रश्न 5- निर्माण अवस्था किसे कहते है ?

A- शान्ति की अवस्था को

B- हैपीनेस को

C- रिटायर लाइफ

D- गोड़ली एजुकेशन को

प्रश्न 6- कर्मबन्धन का हिसाब होगा तो क्या होगा ?

A- बाप के पास नहीं आयेंगे

B- वारिस नहीं बनेंगें

C- वर्सा नहीं लेंगें

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 7- एजुकेशन को क्या कहा जाता है?

A- ब्लिस

B- पीस

C- हैप्पीनेस

D- प्यूरीफाय

प्रश्न 8- जो कर्मेन्द्रियजीत नहीं बनंगे वो कहाँ आयेंगे ?

A- सूर्यवंशी घराने के लास्ट में

B- चंद्रवंशी घराने में

C- 1 जन्म में

D- स्वर्ग के लास्ट में

प्रश्न 9- रामायण, महाभारत और किसका आपस में बहुत गहरा कनेक्शन है ?

A- शिवबाबा का

B- बापदादा का

C- कृष्ण का

D- गीता का

प्रश्न 10- महाभारत लड़ाई से क्या होगा ?

A- रावण खत्म

B- रावण राज्य खत्म

C- स्वर्ग की स्थापना

D- A और B

E- B और C

प्रश्न 11- पीस और हैप्पीनेस का गाडली अधिकार किससे लेना है ?

A- परमात्मा से

B- योग से

C- ब्लिस से

D- पढ़ाई से

प्रश्न 12- जो पढ़ेगा वह क्या बनेगा ?

A- नवाब

B- सर्वेन्ट

C- बिल्वड

D- वारिस

प्रश्न 13- अब बाबा गले मे कौन सा लॉकेट पहनाते हैं ?

A- गीता का

B- त्रिमूर्ति का

C- राजाई का

D- B और C

प्रश्न 14- देही अभिमानी बनने से क्या होगा ?

A- घड़ी घड़ी भूलेंगे नही

B- विघ्न नही आएंगे

C- मेहनत नहीं लगेगी

D- विकर्म नही होंगे

प्रश्न 15- गीता सुनकर तुम किस लायक बनते हो ?

A- कृष्ण

B- अर्जुन

C- विश्व के मालिक

D- भक्त

प्रश्न 16- गीता में कौनसे दो अक्षर आते हैं ?

A- अल्फ-बे

B- मनमनाभव-मामेकम

C- मनमनाभव-मध्याजीभव

D- मामेकम-मध्याजीभव

-

भाग (15) खण्ड {30} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

-

उत्तर सं 1 A - *श्रीमत पर चलने में*

तुम्हारी आत्मा ज्ञान का सागर बन रही है। सारी सृष्टि के आदि मध्य अन्त का ज्ञान तुमको है। *मीठे बच्चों को हिम्मत रखनी चाहिए। हमको बाबा की श्रीमत पर चलना चाहिए ना।*

उत्तर सं 2 A - *ज्ञान*

यह गाडली एज्युकेशन ब्लिस है ना, जिससे सुप्रीम पीस एण्ड हैपीनेस मिलती है। यह अटल अखण्ड सुख शान्तिमय स्वराज्य है गॉड की प्रापर्टी, जो बच्चों को मिलती

है। फिर *जितना-जितना जो ज्ञान उठायेंगे, उतना बाप का वर्सा मिल जायेगा।*

उत्तर सं 3 B - *आत्मिक लव*

ब्लड कनेक्शन में ही दु:ख है, तुम्हें उसका त्याग कर *आपस में आत्मिक लव रखना है, यही सुख और आनंद का आधार है।* ...यहाँ हम सबका आत्मिक लव है, जो परमात्मा सिखलाते हैं।

उत्तर सं 4 D - *पद भ्रष्ट*

जैसे तीर्थ पर जाते हैं तो काम क्रोध सब बन्द कर देते हैं। रास्ते में काम चेष्ठा थोड़ेही करेंगे। वह तो सारा रास्ता अमरनाथ की जय, जय करते जाते लेकिन लौट आते तो फिर वही विकारों में गोता खाते रहते, तुमको तो लौटना नहीं है। काम, क्रोध में आना नहीं है। *विकारों में जायेंगे तो पद भ्रष्ट हो जायेंगे।*

उत्तर 5. C- रिटायर लाइफ

परमात्मा आकर जो अपनी राजधानी स्थापन करते हैं, उसमें सुख और आनंद है। बाकी इनकारपोरियल दुनिया में तो सुख आनंद की बात ही नहीं, प्रेम की बात ही नहीं है। वह तो है इनकारपोरियल आत्माओं का निवास स्थान। *वह है सबकी रिटायर लाइफ अथवा निर्वाण अवस्था।* जहाँ दु:ख सुख की कोई फीलिंग नहीं रहती।

उत्तर 6. B- वारिस नहीं बनेंगें

विजय माला में आना है तो विशेष होली (पवित्र) बनने का पुरुषार्थ करो। जब पक्के संन्यासी अर्थात् निर्विकारी बनेंगे तब विजय माला का दाना बनेंगे। *कोई भी कर्मबन्धन का हिसाब-किताब है, तो वारिस नहीं बन सकते, प्रजा में चले जायेंगे।*

उत्तर 7. A- ब्लिस

बच्चे और प्रजा में रात दिन का फ़र्क रहता है। वह वारिस बन वर्सा लेते हैं। जैसे तुमने उनसे बल्ड कनेक्शन तोड़ इस निराकार वा साकार की गोद ली है तो वारिस बन गये हो। इसमें भी फिर जितना ज्ञान लेंगे वह है ब्लिस। *एज्यूकेशन को ब्लिस कहा जाता है।* तो जितना वह उठायेंगे, उतना उस राजधानी में प्रजा में सुख लेंगे। यह गाडली एज्युकेशन ब्लिस है ना, जिससे सुप्रीम पीस एण्ड हैपीनेस मिलती है। यह अटल अखण्ड सुख शान्तिमय स्वराज्य है गॉड की प्रापर्टी, जो बच्चों को मिलती है।

उत्तर 8. B- चंद्रवंशी घराने में

यह ज्ञान तो सिर्फ अब संगम पर मिलता है जब दैवी धर्म की स्थापना हो रही है। *तो सुनाया जो पूरा कर्मेन्द्रियों को नहीं जीतेंगे वह चन्द्रवंशी घराने की माला में चले जायेंगे।* जो जीतेंगे वह सूर्यवंशी घराने में आयेंगे।

उत्तर 9. D- गीता का

दशहरा होना माना रावण खत्म होना और सीताओं को छुटकारा मिलना। लेकिन दशहरा मनाने से तो रावण से छुटकारा मिलता नहीं। जब महाभारत होता है तब सब सीताओं को छुटकारा मिल जाता है। महाभारत लड़ाई से रावणराज्य खत्म होता है तो *रामायण, महाभारत और गीता का आपस में बहुत गहरा कनेक्शन है।*

उत्तर 10. B- रावण राज्य खत्म

जब महाभारत होता है तब सब सीताओं को छुटकारा मिल जाता है। *महाभारत लड़ाई से रावण राज्य खत्म होता है* तो रामायण, महाभारत और गीता का आपस में बहुत गहरा कनेक्शन है।

उत्तर 11. D- पढ़ाई से

पीस और ब्लिस का वरदान लेने के लिए शमा पर पूरा फिदा होना है। *पढ़ाई से सुप्रीम पीस और हैपीनेस का गॉडली अधिकार लेना है।*

उत्तर 12. A- नवाब

गाड हिमसेल्फ, जिनके तुम बीलव्ड बच्चे बने हो। प्रजा भी बन रही है लेकिन बच्चे, बच्चे हैं, प्रजा प्रजा है। जो संन्यास करते वह वारिस बन जाते। उनको रॉयल घराने में अवश्य ले जाना है। लेकिन अगर ज्ञान इतना नहीं उठाया है तो पद नहीं पायेंगे। *जो पढ़ेगा वह नवाब बनेगा।* जो आते जाते हैं वह फिर प्रजा में आयेंगे। फिर जितना होली बनेंगे उतना सुख मिलेगा। बीलव्ड तो वह भी बनते लेकिन फुल बिलवेड तब बनते हैं जब बच्चा बनते हैं। समझा।

उत्तर 13. D- B और C

यह ज्ञान है कण्ठ करने का। तुमको मालूम है गीता का लॉकेट बनाते हैं। उसमें छोटे अक्षर होते हैं। *अब बाबा भी तुम्हारे गले में लॉकेट पहनाते हैं - त्रिमूर्ति और राजाई का।* बाबा कहते हैं गीता है दो अक्षर - अल्फ और बे। यह है गुप्त मन्त्र का लॉकेट मनमनाभव।

उत्तर 14. B- विघ्न नही आएंगे

वह याद से ही उतरना है, इसमें मेहनत लगती है। घड़ी-घड़ी तुम भूल जाते हो। तुम बाबा को याद करते रहो तो कभी विघ्न नहीं पड़ेंगे। *देह-अभिमानी बनने से विघ्न पड़ते हैं।* देही-अभिमानी बनते हो अन्त में। फिर आधाकल्प कुछ विघ्न नहीं पड़ता। यह कितनी गुह्य बातें हैं समझने की।

उत्तर 15. C- विश्व के मालिक

फिर महाभारत आयेगा तो रावण राज्य खत्म हो रामराज्य शुरू हो जायेगा। रामायण और महाभारत में क्या फ़र्क है? रामराज्य की स्थापना और रावणराज्य का विनाश होने का है। *गीता सुनकर तुम विश्व का मालिक बनने लायक बनते हो।* गीता और महाभारत भी है अभी के लिए।

उत्तर 16. C- मनमनाभव-मध्याजीभव

लड़ाई है 5 विकारों पर जीत पाने की। *तुमको बाप गीता के दो अक्षर सुनाते हैं मनमनाभव-मध्याजी भव।* गीता के शुरू में और अन्त में यह दो अक्षर आते हैं। बच्चे समझते हैं - बरोबर गीता का एपीसोड चल रहा है।

(मनमनाभव – एक पर एकाग्र मन) + (मध्याजीभव – स्वर्ग के सम्पूर्ण रूप का स्वरूप) + (मनसा सेवा – मन से सेवा) = सर्मपण

अभ्यास

मनमनाभव: जैसे ड्रामा हर सेकंड चल रहा है, मेरा मन भी प्रगति कर रहा है। यह कहीं अटकता नहीं है। मेरे मन में मैं बापदादा के गुणों, कर्तव्यों और सम्बन्धों के बारे में सोचता हूँ।

मध्याजीभव: मैं कमल, गदा, शंख और चक्र को धारण कर मध्याजीभव के मंत्र में स्थित हो जाता हूँ।